साम्प्रदायिक जहर फैलाने में व्यस्त टिप्पर चन्द को मैनहोल में गिरने वालों की चिंता नहीं

युवा पत्रकार एसएस राठौर

फ़रीदाबाद। दिनांक 28 जून मंगलवार को बल्लभगढ़ मेन बाजार घंटा घर से आंबेडकर चौक तक मूलचंद शर्मा के भाई टिप्पर चंद ने अपने कुछ चेले चपाटों के साथ एक फेरी निकाली। लगभग 20-25 लोगों कि ये भीड़ जय श्री राम के नारे लगाते हुए गुजर रही थी। सोशल मिडिया पत्रकार के पूछे जाने पर की उनका इस फेरी का क्या उदेश्य है तो उन्होंने बताया की वह हिन्दुओं को जगाना चाहते है जिसके लिए वह हर मंगलवार को इसी तरह से फेरी निकाल कर हिन्दुओं को जगायेंगे। अभी पत्रकार द्वारा सवाल जवाब हो रहे थे कि अचानक उसी रास्ते में एक गटर का ढक्कन खुला हुआ था जिसमे पत्रकार साहब जा गिरे। जैसे-तैसे करके उन्हें निकाला गया पर मंत्री के भाई का कारवां चलता रहा। उन्होंने तो हिन्दुओं को जगाने का बीड़ा जो उठाया है चाहे वह खुद न जागें। वैसे टिप्पर चंद के जागने से कोई फर्क भी नहीं पड़ता, इस बेचारे के हाथ में कुछ है भी नहीं। ये तो अपने छोटे भाई मूलचंद की आड़ में कुछ न कुछ करतब दिखाता ही रहता है। जागना तो उन मंत्री साहब को होगा जो उद्घाटन के नशे में चूर हैं। रोज कहीं न कहीं उनके खोखले उदघाटन का फोटो सेशन चल रहा होता है।

देखा जाए तो किसी का गटर या गड्ढे में गिरना विशिष्ट लोगों को बहुत आम बात लगती होगी। दूर जाने की जरूरत नहीं है, सेक्टर 7-8 की डिवाइडिंग के नजदीक सेक्टर 10 वाली रोड पर किसी भी बरसात के चलते इतना पानी इकट्ठा हो जाता है जिससे न रास्ता और न ही इन रास्तों में खुले गटर और गड्ढे नजर आते हैं। जिसकी वजह से न जाने कितने लोग इनमे गिरते हैं और उन्हें गंभीर चोटें लगती हैं। ये चोटें कई बार इतनी गंभीर होती हैं कि लोगो की मौत भी हो जाती है।

ये साहब लोगों को जगाने निकले हैं, अरे साहब आप पहले खुद तो जाग जाओ। अपनी जिम्मेदारियों को तो ढंग से पूरा करो, आपकी लापरवाही से लोगो की जाने चली जाती हैं। राठौर ने बताया कि उन्हें मेनहोल में गिरते देखकर टिप्पर चंद ने मुंह फेर लिया, बजाए उनकी सहायता करने के साम्प्रदायिक जहर के बीज बोने के लिए आगे बढ़ गये। यह संवेदनहीनता की पराकाष्ठा नहीं तो क्या है?

30 जून के बाद सिंगल यूज प्लास्टिक को बेचा तो होगी कार्रवाई

करनाल। यमुना एक्शन प्लान को लेकर राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण के आदेशो की अनुपालना में, गठित जिला के विशेष पर्यावरण निगरानी कार्यदल की मासिक बैठक सोमवार को लघु सचिवालय के सभागार में उपायुक्त अनीश यादव की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में प्लान को लेकर भिन्न-भिन्न विभागों द्वारा की जाने वाली अनुपालना से सम्बंधित तथा हरियाणा राज्य प्रदूषण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी द्वारा प्रस्तुत एजेण्डा के करीब 2 दर्जन बिन्दूओं पर उपायुक्त ने समीक्षा की ।

समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने निर्देश दिए कि सभी विभाग अपने-अपने कार्य से सम्बंधित हर माह की प्रगति रिपोर्ट नियमित रूप से प्रेषित करें। सभी सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट यानी एसटीपी अच्छे तरीके से मेन्टेन रहें। जिन एरिया में सीवर की व्यवस्था नहीं है, वहां टैंकर रजिस्टर्ड करें, सुनिश्चित किया जाए कि यदि कोई टैंकर सीवेज को नाले में गिराता है तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि सीवेज से भरे टैंकर एसटीपी में ही जाने चाहिए। उपायुक्त ने आरओ सहित अधिकारियों की गठित टीम को निर्देश दिए कि कोई भी उद्योग प्रदूषण न फैलाए, इसका नियमित निरीक्षण करते रहें। इस सम्बंधत में यदि कोई शिकायत मिलती है, तो उस पर तुरंत एक्शन लें और नियमानुसार कार्रवाई करें। उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि औद्योगिक के साथ-साथ निर्माण गतिविधियों की भी चैकिंग करते रहें और की गई कार्रवाई की रिपोर्ट भेजें। उन्होंने कहा कि उद्योगों के निरीक्षण के लिए एक शैड्यूल बनाएं।

बैठक में मौजूद एचएसपीसीबी के क्षेत्रीय अधिकारी शैलेन्द्र अरोड़ा ने बताया कि आगामी 30 जून के बाद जिला में सिंगल यूज प्लास्टिक के प्रयोग पर पूर्णत प्रतिबंद रहेगा। इसे रोकने की जिन अधिकारियों की जिम्मेवारी तय है, वह ऐसी जगहों, जहां सिंगल यूज प्लास्टिक का सम्भावित प्रयोग होता है, पर जाकर चैकिंग करेंगे तथा चैकिंग में दोषी व्यक्तियों का चालान करेंगे। इस पर उपायुक्त ने निर्देश दिए कि सिंगल यूज प्लास्टिक के प्रयोग को रोकने के लिए अगले कुछ दिनो में कोई न कोई गतिविधि कर जनता को जागरूक करें। एक बिन्दू पर समीक्षा के दौरान उपायुक्त द्वारा पूछे जाने पर आरओ ने बताया कि 125 एकड़ या 50 हेक्टेयर से ज्यादा एरिया में आवास निर्माण जैसी गतिविधियों के लिए इसी यानी एन्वायरमेंट क्लीयरेंस लेनी पड़ती है। इसी प्रकार 20 हजार वर्ग मीटर से अधिक बिल्टअप एरिया के लिए भी ई.सी. लेनी जरूरी है।

केवल पाठकों के दम पर चलने वाले इस अखबार को सहयोग देकर इसकी आवाज को बुलंद रखें।
मज़दूर मोर्चा- खाता संख्या-451102010004150
IFSC Code : UBIN0545112
Union Bank of India, Sector-7, Faridabad

असली मुल्जिम गिरफ्त से बाहर

करनाल। भ्रष्टाचार मुक्त सीएम सिटी करनाल में बीजेपी नेता और कष्ट निवारण समिति के सदस्य से भी अगर कोई महिला एएसआई झूठी दर्ज एफआईआर को कमजोर करने के नाम पर 8 लाख रुपये रिश्वत मांग ले और 4 लाख की पहली किश्त भी ले ले तो समझ लीजिए करनाल और हरियाणा में भ्रष्टाचार किस कदर हावी है। करप्ट अफसरों के हौंसले की दाद देनी होगी। आम आदमी की इन अफसरों के सामने क्या हैसियत और क्या औकात होगी?

करनाल में सेक्टर 32-33 थाना की महिला एएसआई सरिता को विजिलेंस ने रंगे हाथों 4 लाख रुपए रिश्वत लेते पकड़ा। आरोपी महिला एएसआई ने रेप की धारा हटाने और कुछ युवकों के नाम केस से हटाने के नाम 8 लाख मांगे थे। मामले में डीएसपी और एसएचओ पर भी गंभीर आरोप लगे हैं।

विजिलेंस इंस्पेक्टर सचिन ने बताया कि नवजोत सिंह सिंधू ने उनको दी शिकायत में बताया कि एक महिला ने उनके खिलाफ झूठा मुकदमा दर्ज करवाया हुआ है। जिसमें उसने आरोप लगाया कि उसके साथ रेप किया है। मामले की जांच डीएसपी को सौंपी गई।

इसी मामले को लेकर कई बार पंचायत भी हुई। इसके बाद सेक्टर-32 थाने से उसका फोन आया और मिलने बुलाया। जब वह महिला एएसाई सरिता से मिले तो उसने रेप की धारा हटाने और कुछ युवकों के नाम हटाने के लिए 10 लाख रुपए की डिमांड की। इस पर उसने कहा कि वह 10 लाख रुपए कहां से देगा। इसके बाद सरिता ने उसे 8 लाख रुपए मांगे और कहा कि 4 लाख रुपए पहले देने हैं और 4 लाख काम होने के बाद।

इस शिकायत के बाद टीम गठित की और शिकायतकर्ता को 4 लाख रुपए केमिकल लगे हुए दिए। जैसे ही उन्होंने एएसआई सरिता को 4 लाख रुपए दिए तभी टीम ने छापा मार दिया और सरिता को रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। शिकायतकर्ता ने विजिलेंस को बताया कि महिला एएसआई ने कहा था कि इनमें से 4 लाख रुपए डीएसपी को देने हैं और 3 लाख एसएचओ को। उसे तो केवल एक लाख ही मिलेगा। साथ ही महिला पुलिसकर्मी ने कहा कि यह सारे पैसे उसके हाथों में देने है। मामले में शिकायतकर्ता का आरोप है कि यह मामला दूसरे थाने का है, जबकि जानबूझ कर इसे सेक्टर 32-33 थाने में लाया जा रहा है। वहीं विजिलेंस इंस्पेक्टर सचिन का कहना है कि शिकायकर्ता के सभी आरोपों की जांच की जाएगी। उसके बाद आगे की कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

महिला पुलिसकर्मी द्वारा डीएसपी और थाना प्रभारी के हिस्सा भेजने की ऑडियो विजिलेंस के पास पहुंची है। शिकायतकर्ता का दावा है कि इस ऑडियों में एएसआई रिश्वत लेने, डीएसपी व थाना प्रभारी को उनका हिस्सा भेजने की बात कहती साफ सुनाई दे रही है। विजिलेंस इंस्पेक्टर ने कहा कि शिकायकर्ता ने उन्हें ऑडियों उपलब्ध करवाई है। इस मामले में डीएसपी व थाना प्रभारी को भी जांच में शामिल किया जाएगा। यदि जांच में आरोप सही साबित हुए तो इन दोनों के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

आठ-दस लाख रुपये की रिश्वत मांगने व हजम करने की क्षमता सरिता जैसी एएसआई की नहीं हो सकती। इसके पीछे असली व बड़े रिश्वतखोर सम्बन्धित थाने के एसएचओ व डीएसपी हैं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार यही बात सरिता ने पकड़े जाने के बाद विजिलेंस इन्स्पेक्टर को बता भी दी है।

जब सरिता साफ़-साफ़ कह रही है कि मांगी जाने वाली आठ लाख की रिश्वत में से चार लाख तो सीधे-सीधे डीएसपी मुकेश कुमार तथा तीन लाख एसएचओ राजीव के लिये तय थे। उसके पल्ले तो प्रोजेक्ट पूरा होने पर मात्र एक लाख पड़ने वाले थे। अपने बयान की पुष्टि में सरिता ने वह आडियो भी पेश किया है जिसमें रिश्वत के बंटवारे बावत डीएसपी व एसएचओ से बात-चीत हुई थी।

दरअसल पुलिस महकमे में रिश्वतखोरी का यह कोई अनोखा मामला नहीं है। राज्य भर में शायद ही कोई थाना-चौकी बचा हो जहां इस तरह का करोबार न होता हो। जिस थाने चौकी में यह कारोबार जितना बड़ा होता है वहां तैनाती पाने के लिये उतनी ही मोटी रकम पुलिकर्मियों को अपने आकाओं पर खर्चनी पड़ती है।

फ्रेंड्स कॉलोनी में फ़िर से सीवर व पेयजल संकट

फ़रीदाबाद (म.मो.) ओल्ड फ़रीदाबाद चौक व रेलवे लाइन के बीच बसी इस कॉलोनी में करीब 10 हजार की आबादी है। गतांक में 'मज़दूर मोर्चा' व अन्य कई समाचार पत्रों में इस कॉलोनी की दुर्दशा का विवरण प्रकाशित किया गया था। जब भी हल्की सी बारिश होती है तो सीवर का पानी गलियों में तो फैलता ही है, पेयजल लाईन में मिक्स होकर घरों तक में भी पहुंचता है। गलियों में फैले सीवेज को तो फ़िर भी जैसे-तैसे सहन किया जा सकता है लेकिन पेयजल के स्थान पर सीवर का पानी इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। ऐसे में बहुत महंगे भाव इन लोगों को पानी के टैंकर खरीदने पड़ते हैं।

मध्यम एवं निम्न मध्यम वर्ग के लोगों की यह कॉलोनी करीब 50 साल पुरानी है। नगर निगम ने बाकायदा विकास शुल्क लेकर इस कॉलोनी को नियमित किया हुआ है। इसलिये नगर निगम का यह प्राथमिक दायित्व बनता है कि कॉलोनी बासियों को शुद्ध पेयजल की आपूर्ति करे।

क्षेत्र की विधायक सीमा त्रिखा व निगम पार्षद बेशर्म होकर इस कॉलोनी में वोट मांगने आ जाते हैं। लेकिन जब कॉलोनी की 20-30 महिलायें अपना दुखड़ा रोने सीमा त्रिखा के घर जाती हैं तो वे उनसे मिलना तक पसंद नहीं करती। घंटों इंतजार कराने के बाद बमुश्किल दो महिलाओं को मिलने के लिये अंदर बुलाती हैं। दरअसल इसमें गलती कॉलोनीवासी महिलाओं की भी है। उन्हें सामूहिक रूप से सीमा के दरवाजे पर बेझिझक होकर खूब जमकर नारेबाज़ी करते हुए अपनी समस्याओं का बखान करना चाहिये। इस तरह उनकी समस्या विधायक के बहरे कानों के साथ-साथ आस-पास रहने वाले अन्य लोगों तक भी पहुंचेगी।